बापूजी ने समझाई माता-पिता की महिमा...

पात्र – माता-पिता, यश, निशा, मोनिका, तीन जोड़े family पूजन के लिए |

सामग्री – गिफ्ट, पूजन की सामग्री, कार के दो मॉडल, सोफा, गिलास

सीन – 1

(घर का दृश्य : निशा की माँ स्टूल पर बैठी घर का कुछ काम कर रही है, मां को सरप्राइज देने के लिये निशा पीछे से आती है और माँ की आँखों पर हाथ रख देती है)

माँ : मेरी प्यारी बेटी निशा |

निशा : हाह, माँ आपने कैसे पहचाना ?

माँ : बेटा, तुम्हारी रग-रग से, तेरे प्यारे स्पर्श से मैं अच्छी तरह वाकिफ हूँ | तुमने क्या सोचा माँ को serprise दूंगी |

निशा - हाँ मां, anyway lots of love on parents worship day to u my dear maa | मातृ पितृ पूजन दिवस की आपको बहुत- बहुत, बहुत ....बधाई हो | (निशा मां को गले लग जाती है, मां बैठी है-निशा खडी है )

माँ – तुमको भी मेरी रानी बिटिया । बापूजी ने ये जो अनोखा प्रेमभरा त्यौहार शुरू करवाया है, उसकी सभीको बधाई हो | याद है इस पावन दिवस की पहल से पहले हमारा जीवन कितना रूखा-रूखा था औऱ अब कितना हरा – भरा हो गया है, बस भगवान यश को सदबुद्धि दे दे ।

निशा : मां ये छोटा सा गिफ्ट आपके लिए ...

(निशा के पिता जैकेट पहनते हुए अन्दर से आते हैं)

पिता - क्या बात है आज माँ बेटी में बहुत प्यार हो रहा है |

माँ – आज मातृ पितृ पूजन दिवस है | देखिये तो सही, क्या गिफ्ट लाया है निशा ने मेरे लिए (साड़ी दिखाते हुए)|

पापा – वाह भई बहुत बढ़िया है, मगर हमारा गिफ्ट कहाँ है ?

निशा - हाँ पापा आपके लिए भी है, मगर first close your eyes, आँखे बंद कीजिये |

पापा - लो जी, ये बंद कर ली |

(निशा अपने पिता को बहुत सुंदर माला और नई शॉल पहनाती है )

निशा - पापा आखें खोलिए ....(saying in very polite way)

(पिता शॉल और माला देख भाव से भर जाते हैं और बेटी के सर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हैं, play emotional music, पिता की आँखें भर आती हैं)

निशा - पापा, आज शाम को हमने सोसाइटी में मातृ पितृ पूजन का कार्यक्रम रखा है, हम सबको शाम को वहाँ भी जाना है |

(यश एंट्री करता है)

यश – bye-bye everybody, मोम मैं कॉलेज जा रहा हूँ रात को देर होगी, मेरे लिए खाना मत बनाना |

निशा - भैया, आज तुम जल्दी आ जाना, आज मातृ-पितृ पूजन दिवस है । हम माँ पिताजी की पूजा करेंगे |

यश - what ...पूजा, मेरा भगवान तो कॉलेज में है | पूजा तो आज पार्टी में होगी ....

वॉव... dad माला तो बहुत सुंदर है | क्या मैं इसमें से ये गुलाब का फूल ले लूँ | आप पहनकर क्या करोगे, ये तो मेरे काम का है |

(इतना कहकर यश एक गुलाब का फूल माला में से खींच लेता है, serious music । पिताजी धक्क होकर बिना कुछ बोले उसकी हरकतों को देखते रहते हैं)

यश – बाय डैड | और हाँ dad आज आप office ऑटो में चले जाना, आपकी कार मैं ले जा रहा हूँ |

(गाड़ी की चाबी उंगली में घुमाता हुआ और गाना गाता हुआ यश बाहर निकल जाता है, monika o may ...., टेंशन वाला background म्यूजिक, पिताजी धक्क से सोफे पर गिर जाते हैं)

माँ - सुनिए जी, आप यश की बातों का बुरा मत मानियेगा | वो गलत संग में पड़ गया है, आप tension मत लीजिये आपकी तबीयत बिगड़ जायगी |

पति अपनी पत्नी सुधा से - जिसकी औलाद बिगड़ रही हो, उसका तबीयत और जीवन कैसे सुधर सकते हैं... सुधा |

यश के लिए मैंने जो जिन्दगी भर किया है, वो निशा के लिए मैं नहीं कर पाया | मगर दोनो में जमीन-आसमान का फर्क है | जिसको सुविधायें दी वही आज जीवन का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है और जिसे संस्कार दिए वो फूल की तरह सबका जीवन महका रही है | इसलिए मैं हर माँ बाप से कहना चाहता हूँ कि भले ही अपने बच्चों को सुविधाएँ कम दो, मगर उन्हें बापूजी के सत्संग और संस्कारों का ज्ञान जरुर दो |

सीन -२

एंकर : कॉलेज में एक लड़की जिसका नाम मोनिका है वो रोज कार में किसी दूसरी लड़की को कॉलेज में छोड़ने आती थी, उसे देखकर यश का मन आकर्षण में फँस गया और आज उसी के इंतज़ार में यश फूल लेकर कॉलेज के बाहर इंतजार कर रहा है singing some music | मोनिका आती है और यश उसे फूल देता है | मोनिका फूल लेकर-हंसकर आगे निकल जाती है )

यश - अरे सुनो तो सही, मैं तुमसे कुछ बात करना चाहता हूँ | हर रोज तुमको यहाँ देखता हूँ | please listen me...

(मोनिका अपनी कार में बैठ जाती है और कार ड्राइव करती है | यश भी अपनी कार में बैठकर उसके पीछे-पीछे जाता है |)

(car kee driving wala music, horn ,last me dono car kee break lagatee hai ,jaisa bapuji satsang me ye kahanee batate hain )

यश - मोनिका मैं तुसमे बहुत प्यार करता हूँ | आँखे बंद करता हूँ तो तुम ही तुम दिखती हो | (background me film ka music)

मोनिका - रियली

यश - मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता | will u b my life partner pls…. (एक घुटने के बल बैठकर )

मोनिका - अच्छा, चलो मैं तुम्हे अपने घर ले चलती हूँ | पहले तुम प्यार का सच तो जान लो | फिर भी अगर तुम मुझे इसी तरह चाहोगे तो मैं जरूर तुम्हारा प्रोपोसल एक्सेप्ट कर लूँगी ।

यश - ''प्यार का सच'', क्या बात है, क्या नाम है ''प्यार का सच'' | yes... lets go.

सीन -३

(दोनों घर में अंदर जाते हैं)

मोनिका - बैठो यश, (सोफे पर यश बैठ जाता है), क्या लोगे चाय, काफी, कोल्डिंग या शराब ....

यश - शराब की क्या जरूरत है, नशा तो मुझे ऐसे ही चढ़ गया है | फिर भी तुम कहती हो तो हो जाए...

(मोनिका गिलास में ड्रिंक पीने के लिए देती है)

मोनिका - ओह ...गर्मी लग रही है |

(ye sab comedy music par rahega - इतना कहकर मोनिका सबसे पहले अपने सिर का विग निकाल देती है, यश सोफे से खड़ा हो जाता है और बड़ी-बड़ी आँखों से हैरानी से देखता है मोनिका - क्या हुआ यश, ये सब तो करना पड़ता है | I also realy love you . बेटा

यश - मुझे 'बेटा' बोलती है |

इसके बाद वो अपने दांतों का नकली जबड़ा भी निकालती है | यह देखकर यश सिर पकड़ लेता है | (comedy music par)

यश - इसके लिए तो मैं सचमुच बेटा हूँ | ये तो मेरी मम्मी के उम्र की है |

मोनिका - मम्मी ...shutup अभी तो मैं जवान हूँ | (स्टाईल से)

यश - you shut up । मैं तो सोचता था तुम कॉलेज में पढ़ने आई हो मगर तुम तो बूढी अम्मा निकली |

मोनिका - मुझको बूढी बोलता है, कमबख्त रुक तुझे अभी बताती हूँ ( इतना बोलकर वो अपना sandel निकालती है और यश के पीछे भागती है, दोनों स्टेज से बाहर हो जाते हैं , backgruound music : comedy and drama )

सीन - ४

(यश स्टेज पर आता है, कपड़े फटे हुए और मुँह पर काला रंग लगा है, अच्छे से पिटाई हुई हो ऐसी हालत में )

यश (हल्का रोते हुए) - जब दिल ही टूट गया, हम जी के क्या करेंगे हो, जब दिल ही टूट गया .....

काश मैंने पापा की बात मानी होती, बोलते थे पढाई में ध्यान दो ..पढाई में ध्यान दो | मगर

मैंने कभी उनकी बात नहीं मानी | सोचता था कि मैं बड़ा हो गया हूँ | अब मैं अपने फैसले खुद

ले सकता हूँ | मेरी एक एक खुशी के लिए उन्होंने अपनी कई खुशियों को कुर्बान कर दिया, मगर मैं ना समझ पाया | मेरी अच्छी परवरिश हो उसके लिए निशा को भी कम सुविधायें दी और मुझे आगे बढाया, मगर मैं ना समझ पाया | हे भगवान् ये मुझसे क्या हो गया | (यश जोर-जोर से सिर पकड़ कर रोने लगता है karun music)

यश : सामने बैठे हुए लोगों से कहते हुए | मैंने आप सबसे हाथ जोड़कर कहता हूँ कि कभी अपने मां बाप का दिल मत दुखाना, कभी उनका अपमान मत करना और कभी भी जवानी की तरंगो में आकर ऐसा कदम ना उठा लेना जिससे आपको मेरी तरह पछताना पड़े | मेरी माँ मुझे समझाती थी कि सत्संग में चलो, जप करो, सेवा करो मगर मैं हमेशा उनकी बातों को अनसुना कर देता था | और बोलता था "अभी तो जिन्दगी के मजे लेने के दिन है, ये सब तो बुढ़ापे का काम है" | मगर आज समझ आया कि ''भूलकर भी उन खूशियों से मत खेलना जिनके पीछे लगी हो गम की कतारें ...''|

सीन - ५

(मातृ पितृ पूजन की तैयारी चल रही है और निशा अपने माता पिता के साथ सोसाइटी में पहुंचती है, दो तीन family भी स्टेज पर हैं | यश अच्छे कपडे पहने हुए अंदर आता है मगर चेहरे पर उदासी का भाव, मुहं नीचे किये हुए)

पापा – अऱे यश क्या हुआ ..( taunting tone mein ) तुम यहाँ.. क्या हुआ कार ने तुम्हारा साथ नहीं दिया क्या ? या सारे पैसे ख़त्म हो गए... ऐसा मुँह बनाकर तो तुमने मेरे लाखों उड़ा दिये (slowly rone ki tone mein ) ...पूरी जिंदगी तुम्हारी विश पूरी करने में घिस डाली मगर... हमेशा दोस्तों से, रिश्तेदारों से सुनता ही हूँ की ज्यादा लाड़-प्यार की वजह से ही मैंने अपना यश गँवा

दिया है... बोल यश अब क्या चाहिए ?

यश : पापा मुझे अब कुछ नहीं चाहिए ... *(यश पिताजी के गले लगकर रोने लगता है ..)*

पापा : अरे यश क्या हुआ... तुम्हारे आँखों में आसू .... क्या हुआ यश ?

यश : मुझे अभी कुछ नहीं चाहिए... मुझे बस आपका प्यार चाहिए... मुझे बस आपका आशीर्वाद चाहिए, मुझे आपका साथ चाहिए ताकी मैं आपका अच्छा बेटा बन सकूँ... | अब मैंने प्यार, दोस्ती सबकी सच्चाई देख ली । सच्चा प्रेम तो केवल माता-पिता का ही होता है । जिसमें कोई शर्त नहीं, कोई दिखावा नहीं, कोई मांग नहीं होती ।

माँ : अरे बेटा अब चुप होजा ..सुबह का भूला शाम को घर वापस आ जाये तो उसे भूला नहीं कहते... चुप होजा मेरे बेटे... । ये पूज्य बापूजी की ही परम कृपा है की आज अचानक... एकदम से यश में ऐसा बदलाव आ गया | ( mood - emotional se happy ki aur )

पापा : बेटा आज मैं बहुत खुश हूँ ..धन्य हैं पूज्य बापूजी जिन्होंने आज इस बिखरते हुए परिवार को एक कर दिया है ।

निशा : माँ ऐसे तो बापूजी ने कितने ही डूबते हुए घरों को स्वर्ग सा सुन्दर बना दिया है ..लाखों करोड़ों को व्यसनमुक्त बनाकर विश्व में शक्ति-भक्ति-मुक्ति की ज्योत जगायी है... बस देश की ये सकारात्मक उन्नति विधर्मी लोग कैसे देख सकते थे और उन्होंने आज एक बड़े षड्यंत्र के तहद बापूजी को एक झूठे केस में फँसाया हैं | मगर हमें पक्का विश्वास है कि हमारे बापूजी एकदम निर्दोष, र्निष्कलंक होकर जल्द ही आयेंगे ।

माता-पिता-यश तीनों एकसाथ – बिल्कुल सही बात । अरे... चलो चलो लगता है पूजन कार्यक्रम शुरू होनेवाला है |

(पूजन विधी शुरु) भजन – पूजन कर लो मात-पिता का शुभ दिन आया है...

.........................................................................................................................................................................................................................................................................